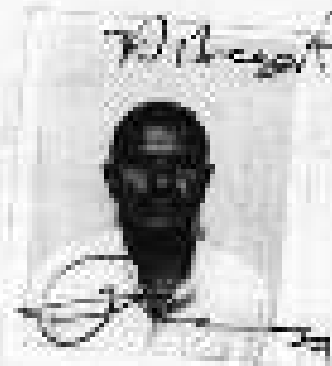


707/25

3/10/2014



03CC 306743

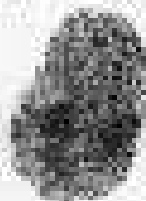


विक्रय विलेख

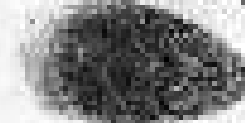
विक्रय मूल्य : ₹ 11,35,000/-
 बालाजि मूल्य : ₹ 5,74,500/-
 रकम राशि : ₹ 1,13,500/-
 बटवारा : विक्रेता

यह विक्रय विलेख गंगाराम पुत्र केश निधारी-
 राम-धूम्र नगर लक्ष्मीबाग, बटवारा-विजनीर, तासीन व
 जिला लखनऊ जिले आगे विक्रेता कहा गया है, एवम् मथान पुत्र

[Signature]



[Signature]



001003
2000
2000

1135069/

$$5000 + 20 = 5020$$
[illegible]

Abstract *Abstracts of papers presented at the 1997 Annual Meeting of the American Psychological Association, Washington, DC, August 1-5, 1997.*

सहित अनुदान विद्या :

वि. क्रि. अ. संस्थान

शुभ निराकरण (पत्रिका)

अनुदानक-१-७ - ४५९

[illegible]

Page 139

गंगा राजा का जन्म १५५६ ई. में हुआ था।
१५५६ ई. में गंगा राजा का जन्म हुआ था।





0300 306744

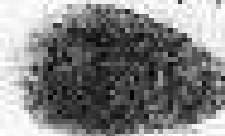
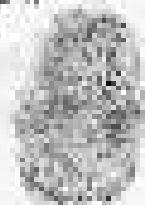
2-

श्री श्री, वर्तमान निवासी-254, चन्द्रलोक कालोनी, अलीगढ़, लखनऊ एवं त्याई निवासी-शान -मिर्जापुर सिटारी, पोस्ट-नीगांव, जिला-फरीदपुर जिले आगे ब्रंदा कहा गया है, के मध्य निश्चायित किया गया।

यह कि रिकॉर्ड भूमि खसरा नं० 102 रकबा 0.605 हेक्टेअर, स्थित शान बुराफ नगर जहाँ बगिचायऊ, परगना-मिर्जापुर, तहसील व जिला लखनऊ, का मालिक, बगलिन व काबिल है तथा उपरोक्त सन्धिपित बटवारीक खाता खसरीनी क्रम संख्या 26 के अनुसार खसत भूमि ब्रंदा के नाम का अगल परामर्श राजस्व

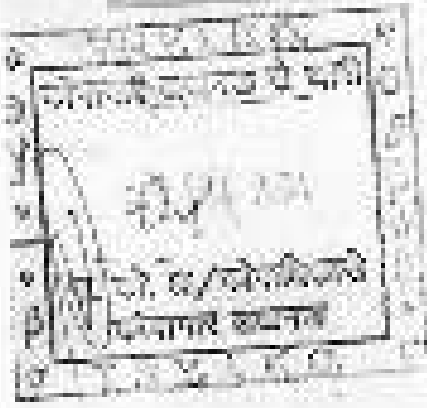
रिजिस्ट्रार जनरल

रिजिस्ट्रार जनरल





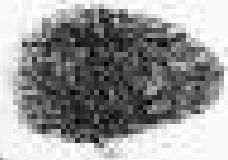
0300 306745



प्रमितेयों में हो गया है। विवेका अपनी कुल मूमि देता जो इस विवेक विवेक द्वारा विवेक कर रहे हैं। विवेका उपरोक्त सम्पूर्ण मूमि के मालिक, कामिल व काबिल है एवं वर्तमान समय में उक्त मूमि नृपि नृपि है, और यह कि विवेका वह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित मूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं बाध न लाफ है तथा विवेका ने उसे इस विवेक के पूर्व कहीं बय, रिवा, गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त मूमि का उसका कोई भाग विवेका न्यायलय या सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कुल इत्यादि है।

दिनांक 18/08/99

दिनांक 18/08/99





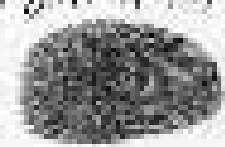
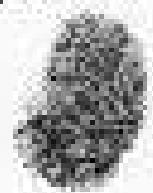
0922 306746

4-

विक्रेता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक का दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को उक्त निम्न्य अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहायता के फलस्वरूप रु० 11,35,869/- (ग्यारह लाख पैंतीस हजार आठ सौ अक्षतर रुपया) के प्रतिफल में जिसका कि उपरोक्त क्रेता द्वारा विक्रेता की इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेता सही स्वीकार करते हैं, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त क्रेता के हस्त उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस निम्न्य विलेख

10/10/2015

10/10/2015





03CC 306747

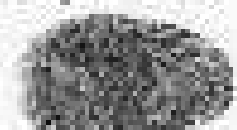
- 5 -

के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, जो कलह में
 दिया है, एवं विज्ञेता ने विज्ञेताशुदा भूमि का मीलों पर कच्चा ज़ेता
 को बख़्शी बना दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विज्ञेता तथा
 उसके वारिसों का कोई अधिकार नहीं है। विज्ञेता ने विज्ञेताशुदा
 समिति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया
 व हमेशा के लिए ज़ेता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब ज़ेता
 विज्ञेताशुदा समिति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने इकलौत
 स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में समिति के रूप में धारण एवं
 उपयोग व उपयोग करेगा। विज्ञेता तथा किसी प्रकार की अशुद्ध

समस्त भारत



समस्त भारत



10000 रु.

Rs 10000

10000 रु.

Rs 10000

10000 रु. 10000

10000 रु. 10000

एक लाख

RUPEES
TEN THOUSAND

10000 रु.

RS 10000

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

05AA 684140

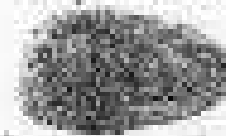
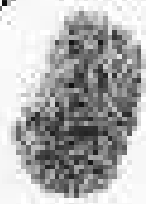


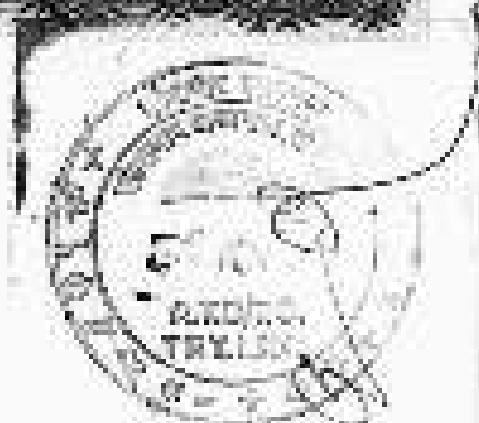
- 6 -

माया नहीं हाल करने एवं न ही कोई मांग कर सकेंगे। और यदि विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई मांग विक्रेता के स्वामित्व में नुस्ते के कारण या कानूनी अड़थक या कानूनी नुस्ते के कारण बंदा या उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कब्जे या अधिकार या स्वत्व से निवृत्त जाये तो ब्रेला उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि को यह एक होगा कि यह अपना समस्त मुकदमा मजहरी व खर्चा, विवेका की फल, अपना सम्पत्ति से जरिये अदालत वसूल कर ले। उस दिना में विक्रेता एवं उसके वारिसान हजी व खर्चा देने हेतु बाध्य होगा।

... ..

... ..



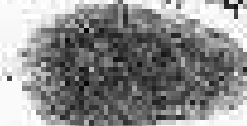
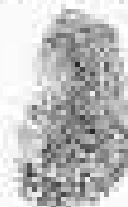


वह कि जैसा दिखानावा सम्पत्ति की दायित्व आरिज
रखता अमिलेक्षा में अपने नाम दर्ज करा ले तो विजेता को कोई
आपत्ति न होगी और वह कि इस विजय विजेता को पूरा व अगर
कोई बकाया बिल्ली तब का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो
उसकी दिवंगत मुन्तान व बहन कहेगा विजेता को कोई आपत्ति
न होगी।

वह कि उपरोक्त ससरा नम्बर नाम युक्त नगर जहाँ
बगिचापक, अर्थनगरीय क्षेत्र के सामान्य लाभ के अन्तर्गत आता है
इसलिए निर्धारित सरकिल रेट रू० 9.00/000/- प्रति हेक्टेयर के

दिनांक १०/१०/५०

दिनांक १०/१०/५०



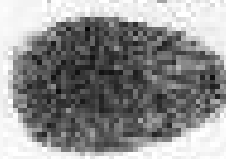
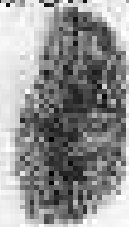


- 3 -

हिसाब से विक्रीत भूमि 0.605 हेक्टेयर की मालियत रु० 5,44,500/- होती है तथा उक्त भूमि पर एक नलकूत है जिसकी कीमत रु० 30,000/- होती है इस प्रकार उक्त भूमि की कुल मालियत रु० 5,74,500/- होती है। चूंकि विक्रय मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए निर्यातानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु० 1,13,600/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए उक्त की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मी० के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत

निष्ठा अधिकारी

निष्ठा अधिकारी





- 9 -

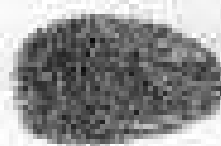
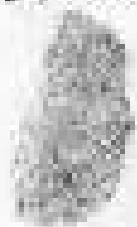
भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर से लगभग 500 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेता व क्रेता दोनों अनुरक्षित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय बिलेख के निष्पन्न का समस्त व्यव क्रेता द्वारा वहन किया गया है।

परिशिष्ट : विवरण विक्रयशुदा सम्पत्ति का विवरण

भूमि खसरा नं० 102 रकबा 0.605 हेक्टेअर, स्थित ग्राम सुल्तानपुर नगर उर्फ बगियागऊ, परगना-बिजनीर, तहसील व जिला लखनऊ, जिला की पौड़ही निम्न है।

1000 नं० 102

1000 नं० 102





- 11 -



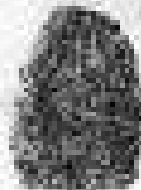
खसरा नं० 102, रकबा 0.605 हेक्टेअर

पुरुष : खसरा संख्या-106
 पश्चिम : खसरा संख्या-1196
 उत्तर : खसरा संख्या-103, 105
 दक्षिण : खसरा संख्या-101

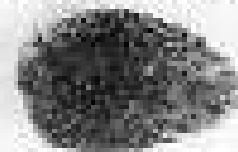
परिशिष्ट : गुप्तान विवरण

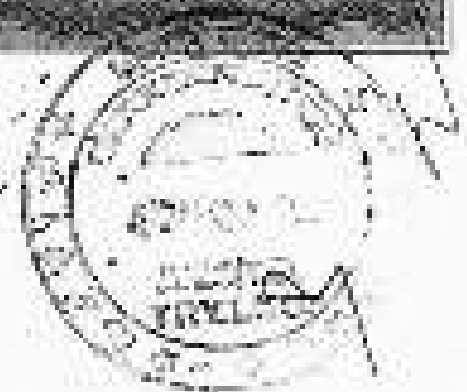
1. रु० 2,00,000/- (रुपया दो लाख मात्र) विज्ञाप्य बिलेस के निष्पादन से पूर्व प्राप्त किये।

(०००० गी.प.दि.प.)



(०००० गी.प.दि.प.)



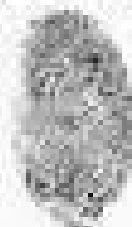


-11-

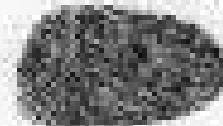
2. रु० 5,00,000/- द्वारा बिस्तर चेक नं० 099514 दिनांकित 08.12.2004 पंजाब नेशनल बैंक, हजूरगंज, लखनऊ।
3. रु० 1,35,859/- द्वारा बिस्तर चेक नं० 099515 दिनांकित 08.12.2004 पंजाब नेशनल बैंक, हजूरगंज, लखनऊ।

इस प्रकार कुल विक्रय मूल्य विवेका को रु० 11,35,859/- (ग्यारह लाख पचीस हजार आठ सौ अठ्ठात्तर रुपये) केता में प्राप्त हुए तथा जिसकी प्रामि विवेका भीकार करते हैं।

जिम्मेदार अधिकारी



जिम्मेदार अधिकारी



लिखा जा यह विक्रय पत्र हम विक्रेता ने खेता के पास में समस्त गवाहान बिना किसी जोर दबाव के, व स्वस्थ चित्त व मन की दशा में लिख दिया ताकि सन्देह रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आये।

लखनऊ

दिनांक: 08.12.2004

गवाह

1. *Suraj Kumar Singh*
200 Buzarwala J No

सुरज कुमार सिंह

बिक्रेता

2.

Chandrabhaga Singh
6/4 Buzarwala J No
L-1/1/1/1
L-1/1/1/1

चंद्रिका

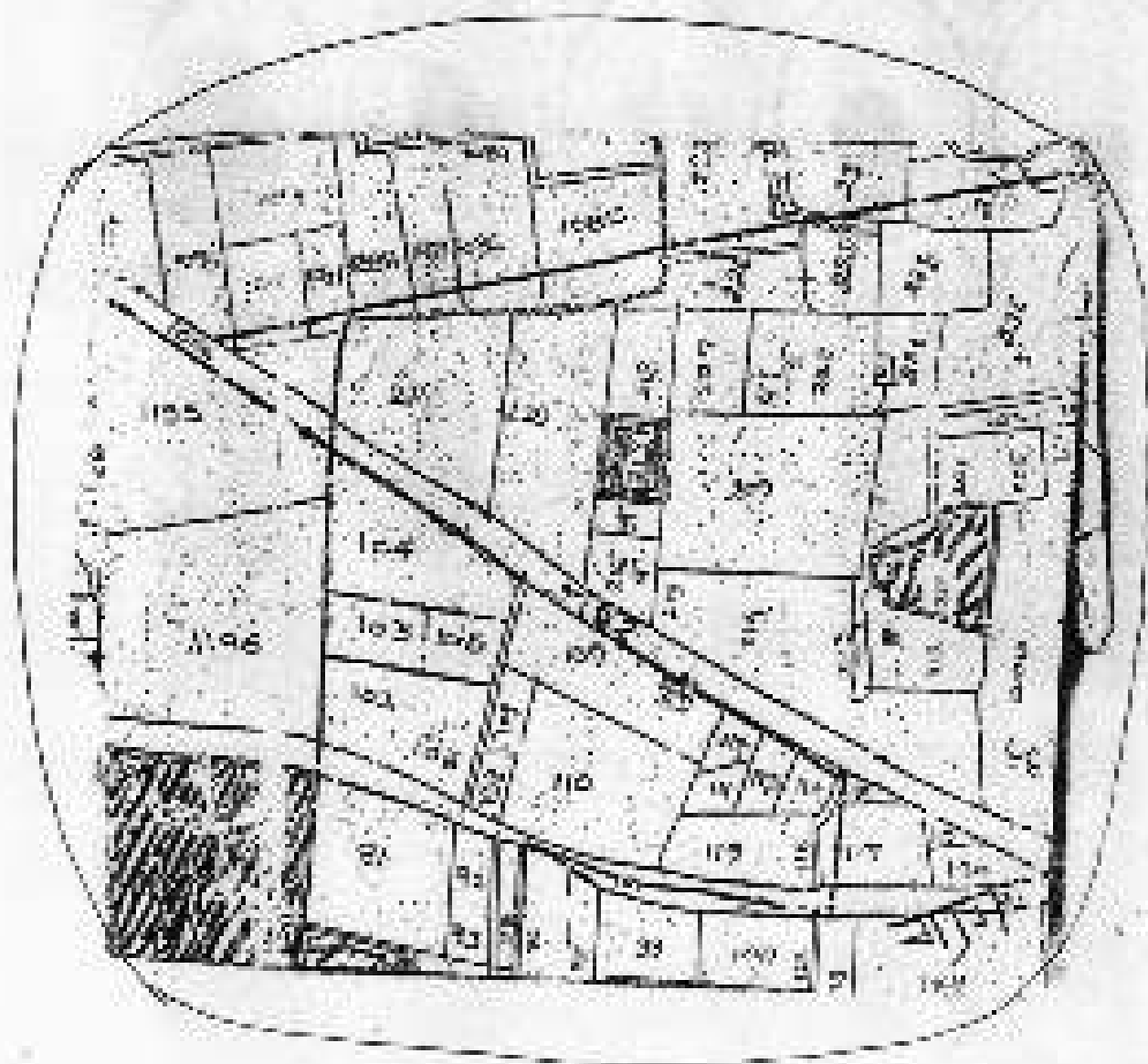
4
 (रवि सेनानी)

चंद्रिका

मसविदावर्ता

बिंदू सिंह
 (बिंदू राम सिंह)
 एडवोकेट

उत्पन्न (30) प्रमाणिक पर - विवेक न. 1 विला लभनक



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 32ए. के अनुपालन
हेतु फिंगर प्रिन्टस्

प्रत्यक्षता/विशेष का नाम यहाँ :-

जब हाथ में जलियाँ हैं गिने :



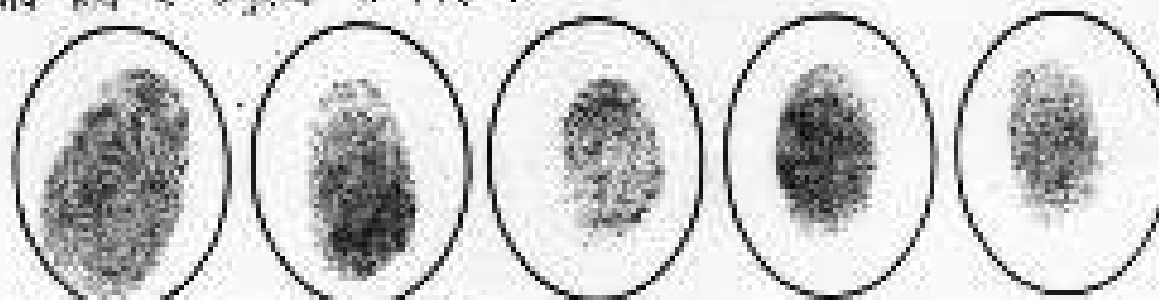
साहित्य हथ के आगासियों के चिन्ह :



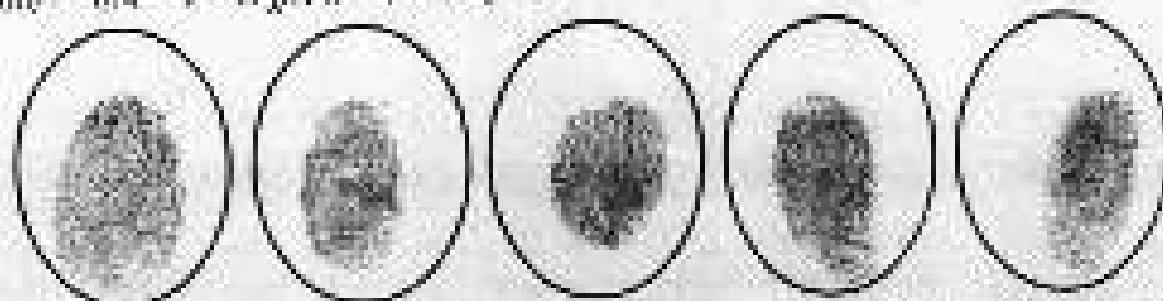
पुस्तकालय/सिक्का/चित्र के रूप में

प्रस्तुतकर्ता/सिद्धता का नाम न एता : 375212

मात्र १५५ से जेलियों के बिन्दु :



साहित्य के अंगों के गिनती



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

